International Journal of Advanced Educational Research
ISSN: 2455-6157
Impact Factor: RJIF 5.12
www.educationjournal.org
Volume 3; Issue 2; March 2018; Page No. 582-587

आदिवासी तथा गैर आदिवासी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता का अध्ययन

ज्योति बाला वया[1], डॉ॰ अमित कुमार देव[2]
[1] लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, (सी.टी.ई.) डबोक, उदयपुर, राजस्थान, भारत।
[2] सहायक आचार्य, लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, (सी.टी.ई.) डबोक, उदयपुर, राजस्थान, भारत।

प्रस्तावना

शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसकी सहायता से बालक की जन्मजात शक्तियों का वास्तविक विकास इस प्रकार होता है कि उसके द्वारा न केवल उसके व्यक्तित्व का ही विकास हो बल्कि वह अपना एवं समाज का कल्याण करते हुए भौतिक सामाजिक एवं आध्यात्मिक समायोजन कर सके। उचित शैक्षिक व्यवस्था व शैक्षिक वातावरण किसी राष्ट्र के भविष्य को निर्धारित करने में सहायक हो सकता है जिसकी सहायता से वह राष्ट्र अपने अभिष्ठ लक्ष्य तक पहुंच सकता है अतः यदि कहा जाये कि उचित शिक्षा व्यवस्था किसी भी राष्ट्र का मूल कर्तव्य व सफलता की प्रथम सीढ़ी है तो ये अतिश्योक्ति नहीं होगी।

वर्तमान में आदिवासी व गैर आदिवासी क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक की अध्यापन दक्षता कितनी है उनकी दक्षता से विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि किस प्रकार प्रभावित होती है इसका अध्ययन करने हेतु शोधार्थी ने उक्त विषय का चयन किया हें।

अनुसूचित जनजाति : अनुसूचित जनजाति से अभिप्राय है एक विशेष जाति के लोग जिनमें शिक्षा की कमी होने की वजह से अन्य जाति के लोगों से हर क्षेत्र में पिछड़े हैं, जनजातियों में कई उपजातियां आती है जो परिगणना के आधार पर सामाजिक एवं आर्थिक स्तर पर हीनता व दीनता के अन्तर्गत आती है, संविधान में इन्हें जनजाति के नाम से अभिहित किया गया है।

अध्यापन दक्षता : अध्यापन दक्षता से तात्पर्य अध्यापक विद्यालय में छात्रों के साथ, समाज के साथ, शिक्षण प्रक्रिया में, सहपाठ्येतर प्रवृतियों में तथा अन्तः विद्यालयी संबंधी क्रियाकलापों को किस सीमा तक उत्तरदायित्व पूर्ण ढंग से करता है। प्रस्तुत शोधकार्य में अध्यापन दक्षता का अर्थ अध्यापकों की अध्यापन संबंधी इन दक्षताओं जिनमें उसका विषय ज्ञान, उसकी विषय में रूचि, उसके अध्यापन की तैयारी, उसके पाठ प्रस्तुतीकरण, शैक्षिक सामग्री के प्रभावी उपयोग, उसका विद्यार्थियों के साथ संबंध, उसकी कक्षा में उपलब्ध वातावरण एवं अनुशासन से है।

उद्देश्य

1. समग्र न्यादर्श शिक्षकों के अध्यापन दक्षता का अध्ययन करना।
2. आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता का अध्ययन करना।
3. गैर आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता का अध्ययन करना।
4. आदिवासी व गैर आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षताका तुलनात्मक अध्ययन करना।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

1. सिहं एन. पी. (2005) ''के. वी. के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लघु कृशकों में कौशल विकास का मूल्यांकनात्मक अध्ययन करना।'' इस शोधकार्य से पाया गया कि के. वी. के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान दिया गया कौशल ज्ञान कृशि का उत्पादन क्षेत्र में सार्थक पाया जाता
2. रूही कान्त (2008) ''प्राथमिक स्तर विद्यार्थियों के पठन आदतों व लेखन कौशल पर निर्देशात्मक परामर्श के प्रभावों का अध्ययन करना।''
3. गुप्ता एस. के. (2009) ''माध्यमिक विद्यालयों के प्रशिक्षण का केरियर नियोजन कौशल निर्णय क्षमता पर प्रभाव का अध्ययन।
4. सिंधी एन. के (1975): ''राजस्थान के विद्यालयों के अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियों के विद्यार्थियों के शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन'' लघुशोध प्रबंध, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर।
5. पटेल टी. (1984) ''जनजाति महिलाओं में शिक्षा का विकास'' समाजशास्त्र विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय। शोध उद्देश्य में पाया कि जनजाति महिलाओं की शिक्षा के लिए गए प्रयासों की जांच करना, अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की साक्षरता विस्तार नामांकन एवं शैक्षिक उपलब्धि की तुलना हरियाणा राज्य के सामान्य वर्ग की महिलाओं से करना।

शोध समस्या का परिसीमन : शोधार्थी द्वारा समय, धन एवं श्रम को ध्यान में रखते हुए ही अपने लघु शोध कार्य को पूर्ण करने का प्रयास किया है क्योंकि समस्या का क्षेत्र बहुत व्यापक होता है एवं सम्पूर्ण क्षेत्र का अध्ययन एक शोधकर्ता के लिये संभव नहीं होता है। अतः शोधार्थी द्वारा इस लघु शोध के प्रभावशाली एवं सार्थक अध्ययन के लिए निम्न रूप से परिसीमन किया जायेगा

अ) भौगोलिक दृष्टि से : शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध का क्षेत्र उदयपुर संभाग तक ही सीमित किया जायेगा।

ब) विद्यालय की दृष्टि से : प्रस्तुत शोध के आकंडे एकत्र करने के लिए उदयपुर जिला के 40 राजकीय एवं 40 निजी विद्यालयों को चुना जायेगा।

स) जाति की दृष्टि से : प्रस्तुत शोध अध्ययन में आदिवासी व गैर आदिवासी दोनो जातिके शिक्षकों को ही शामिल किया जायेगा।

शोध विधि : किसी भी शोध अध्ययन को सफलतापूर्वक प्रेक्षित करने के लिए आवश्यक है कि समस्या के अनुरूप ही विधि का चयन किया जाए । जिस विधि का चयन किया जाए वह उपयुक्त एवं पूर्ण नियोजित होनी चाहिए। शोध विषय की समस्या को भली–भाँति समझकर शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि को उपयुक्त माना है, क्योंकि इसका संबंध वर्तमान काल की स्थितियों, प्रचलित व्यवहार, विश्वास,दृष्टिकोण या अभिवृत्तियों आदि से है।अतः सर्वेक्षण विधि का चयन किया जायेगा।

न्यादर्श : उदयपुर जिले से कुल 800 शिक्षकों का चयन करेगा जिसमें 400 आदिवासी एवं 400 गैर आदिवासी शिक्षको का चयन किया जायेगा। भावी शोध के लिए न्यादर्श का स्वरूप इस प्रकार से रहेगा।

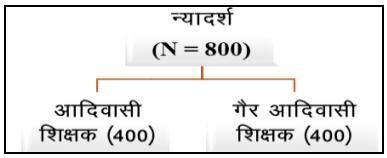

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी प्रविधियाँ : प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा निम्नलिखित सांख्यिकी प्रविधियों का प्रयोग किया जायेगा :

1. मध्यमान
2. मानक विचलन
3. टी–परीक्षण
4. सहसंबंध

शोध में प्रयुक्त उपकरण निर्माण के चरण : उपकरण अध्यापन दक्षता

1. **क्षेत्रों का चयन :** शोधार्थी द्वारा समय, धन एवं श्रम को ध्यान में रखते हुए ही अपने लघु शोध कार्य को पूर्ण करने का प्रयास किया है क्योंकि समस्या का क्षेत्र बहुत व्यापक होता है एवं सम्पूर्ण क्षेत्र का अध्ययन एक शोधकर्ता के लिये संभव नहीं होता है। अतः शोधार्थी द्वारा इस लघु शोध के प्रभावशाली एवं सार्थक अध्ययन के लिए निम्न रूप से परिसीमन किया जायेगा।
   1. अध्यापको को विषय का ज्ञान
   2. अध्यापको का अध्यापन अनुभव
   3. अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध
   4. अध्यापको का शिक्षण विधियों का ज्ञान
   5. अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल
   6. अध्यापकों का आत्म–विश्वास
   7. अध्यापकों की व्यवसायिक दक्षता
   8. अध्यापको की भाशा शैली व तकनीकी ज्ञान
2. **उपकरण का अंकन :** शिक्षक अभिमतावली पाँच विकल्पों पूर्णतः सहमत, सहमत, अनिश्चित, असहमत व पूर्णतः असहमत युक्त रेटिंग स्केल हैं। इस अभिमतावली में सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही प्रकार के कथन सम्मिलित किए गए हैं। सकारात्मक कथनों व नकारात्मक कथनों का अंकन निम्न प्रकार किया गया।

तालिका 1 : अंकन योजना

विकल्प	विकल्प पर अंकन	
	सकारात्मक कथन	नकारात्मक कथन
हाँ	3	1
निश्चित	2	2
नहीं	1	3

3. **उपकरण पद का विश्लेषण :** इस प्रकार निर्मित कथनों में युक्त अभिमातावली को आदिवासी तथा गैर आदिवासीयों और राजकीय व निजी विद्यालयों के आधार पर प्रशासित किया गया। अभिमतावली में दिए गए निर्देशों के अनुरूप अभिमतावली को भरने के लिए कहा गया। प्रशासन के पश्चात उतर पत्रों की जाँच की गई जिसमें सकारात्मक तथा नकारात्मक कथनों का अंकन पूर्व में निर्धारित योजनानुसार किया गया। जिन कथनों का 'टी' मान 2.064 से अधिक अथवा 2.064 के बराबर हुआ वे यह प्रदर्शित करते है कि उच्च तथा निम्न समूह उन कथनों में सार्थक रूप भिन्नता रखते है अतः उन्हीं कथनों का चयन किया गया जिनका मान 2.064 के बराबर या उससे अधिक था।
4. **उपकरण का अन्तिम स्वरूप :** शोधकर्त्री द्वारा निर्मित कथनों की शिक्षक अभिमतावली के अंतिम स्वरूप में क्षेत्रवार कथनों की संख्या निम्न सारणी में दर्शायी गयी है–

तालिका 2 : क्षेत्रवार कथनों की संख्या

क्र. स.	क्षेत्र	प्रारंभिक कथनों की संख्या	विशेषज्ञों द्वारा अनुमोदित कथनों की संख्या	टी मूल्य के आधार पर कथनों की संख्या
1.	अध्यापको को विषय का ज्ञान	11	11	10
2.	अध्यापको का अध्यापन अनुभव	7	7	6
3.	अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध	12	13	11
4.	अध्यापको का शिक्षण विधियों का ज्ञान	8	9	8
5.	अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल	7	7	7
6.	अध्यापकों का आत्म–विश्वास	10	10	7
7.	अध्यापकों की व्यवसायिक दक्षता	6	6	5
	योग	61	63	54

समग्र शिक्षकों की अध्यापन दक्षता का अध्ययन

समग्र शिक्षकों के अध्यापन दक्षता का अध्ययन करने के लिए 80 राजकीय व 80 निजी विद्यालयों के 400 आदिवासी व 400 गैर–आदिवासी शिक्षको ं की अध्यापन दक्षता की प्रमापनी अध्यापको द्वारा भरवाई गई तथा उनको दंत्तो का संकलन किया गया, प्राप्त दंत्तो के आधार पर मध्यमान व मानक विचलन ज्ञात कर अध्यापन दक्षता का अध्ययन किया गया है।

तालिका 3: समग्र शिक्षकों की अध्यापन दक्षता से सम्बन्धित दन्तो के क्षैत्रवार मध्यमान एवं मानक विचलन

क्रम संख्या	क्षैत्र	N	मध्यमान	मानक विचलन
1.	अध्यापको को विषय का ज्ञान	800	26.65	1.391
2.	अध्यापको का अध्यापन अनुभव	800	28.15	1.787
3.	अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध	800	37.48	1.763
4.	अध्यापको का शिक्षण विधियों का ज्ञान	800	40.02	2.720
5.	अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल	800	32.34	1.608
6.	अध्यापकों का आत्म–विश्वास	800	31.72	2.127
7.	अध्यापकों की व्यवसायिक दक्षता	800	43.13	1.574
8.	अध्यापको की भाषा शैली व तकनीकी ज्ञान	800	32.30	.961
कुल		800	271.79	5.889

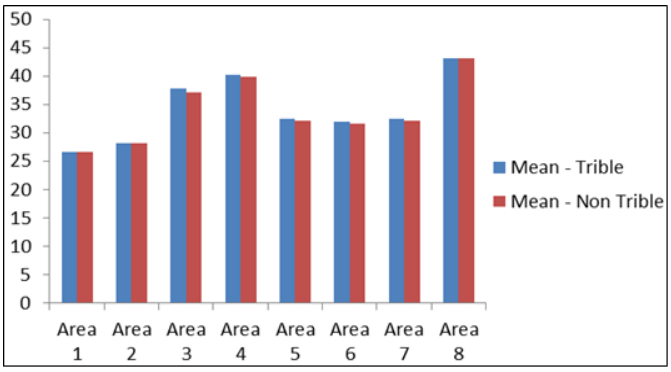

आकृति 1: समग्र शिक्षकों की अध्यापन दक्षता से सम्बन्धित दन्तो के क्षैत्रवार मध्यमान

विश्लेषण : सारणी व आरेख संख्या से यह ज्ञात होता है कि समग्र अध्यापकों के अध्यापन दक्षताओं के दंत्तो का मध्यमान 271.79 तथा मानक विचलन 5.889 प्राप्त हुए है। इस आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापको के अध्यापन दक्षता में सार्थक अन्तर पाया जाता

क्षैत्रानुसार विश्लेषण

1. अध्यापको को विषय का ज्ञान :– इसके अन्तर्गत उदयपुर क्षैत्र के आदिवासी तथा गैर–आदिवासी का आदिवासी अध्यापक का मध्यमान 26.65 तथा मानक विचलन 1.391 प्राप्त हुआ है।
2. अध्यापको का अध्यापन अनुभव :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापकों का मध्यमान 28.15 तथा मानक विचलन 1.787 प्राप्त हुआ है।
3. अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापको का मध्यमान 37.48 तथा मानक विचलन 1.763 प्राप्त हुआ है।
4. अध्यापको को शिक्षण विधियों का ज्ञान :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापको की सोच प्रवृति के मध्यमान 40.02 तथा मानक विचलन 2.720 प्राप्त हुआ है।
5. अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर आदिवासी अध्यापको की कार्य शैली के मध्यमान कृमशः 32.34 तथा मानक विचलन .1. 608 प्राप्त हुआ है।
6. अध्यापको का आत्म–विश्वास :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापको की नियमितता के मध्यमान 31.72 तथा मानक विचलन 2.127 प्राप्त हुआ हैं।
7. अध्यापको की व्यवसायिक दक्षता :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी तथा गैर–आदिवासी अध्यापकों के सीखने की प्रवृति के मध्यमान 43.13 तथा मानक विचलन 1.574 प्राप्त हुआ है।
8. अध्यापको की भाषा शैली व तकनीकी ज्ञान :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापकों का सामाजिक कौशल का मध्यमान 32.30 तथा मानक विचलन .961 प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।

आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता का अध्ययन : आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता का अध्ययन ज्ञात करने हेतु 80 राजकीय व 80 निजी विद्यालयों के आदिवासी शिक्षकों से प्रमापनी भरवाई गई। तथा उन प्रमापनी से दंत्तो के आधार पर आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षताओं के मध्यमान व मानक विचलन का विश्लेषण किया गया ।

तालिका 4: आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता से सम्बन्धित दन्तो के क्षैत्रवार मध्यमान एवं मानक विचलन

क्रम संख्या	क्षैत्र	N	मध्यमान	मानक विचलन
1.	अध्यापको को विषय का ज्ञान	400	26.74	1.395
2.	अध्यापको का अध्यापन अनुभव	400	28.13	1.630
3.	अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध	400	37.43	1.768
4.	अध्यापको का शिक्षण विधयों का ज्ञान	400	40.81	2.780
5.	अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल	400	33.24	.964
6.	अध्यापकों का आत्म–विश्वास	400	31.81	2.005
7.	अध्यापकों की व्यवसायिक दक्षता	400	32.28	1.580
8.	अध्यापको की भाषा शैली व तकनीकी ज्ञान	400	43.21	.893
योग			273.67	5.330

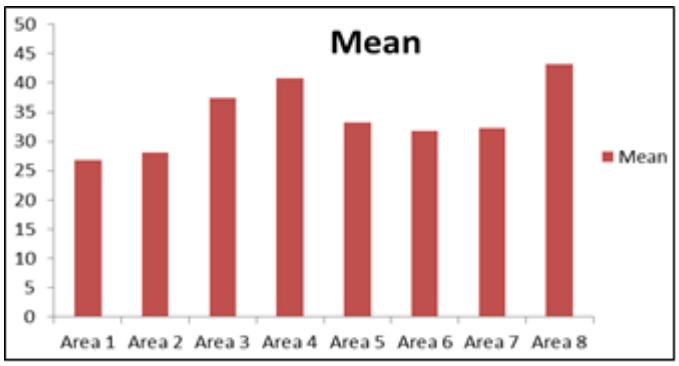

आकृति 2: आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता से सम्बन्धित दन्तो के क्षैत्रवार मध्यमान

विश्लेषण : सारणी व आरेख संख्या से यह ज्ञात होता है कि राजकीय व निजी विद्यालयों के आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता के अध्ययन के मध्यमान 273.67 व मानक विचलन 5.330 प्राप्त हुए है।

क्षैत्रानुसार विश्लेषण

1. अध्यापको को विषय का ज्ञान :– इसके अन्तर्गत आदिवासी शिक्षकों का मध्यमान 26.74 तथा मानक विचलन 1.395 प्राप्त हुआ है।
2. अध्यापको का अध्यापन अनुभव :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी अध्यापकों का मध्यमान 28.13 तथा मानक विचलन 1.603 प्राप्त हुआ है।
3. अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी अध्यापको का मध्यमान 37.43 तथा मानक विचलन 1.768 प्राप्त हुआ है।
4. अध्यापको का शिक्षण विधियों का ज्ञान :– इस क्षैत्र के अनतर्गत आदिवासी अध्यापको की सोच प्रवृति के मध्यमान 40.81 तथा मानक विचलन 2.780 प्राप्त हुआ है।
5. अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल :– इस क्षेत्र के अन्तर्गत आदिवासी अध्यापको की कार्य शैली के मध्यमान 33.24 तथा मानक विचलन .964 प्राप्त हुआ है।
6. अध्यापकों का आत्म–विश्वास :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापको की नियमितता के मध्यमान 31.81 तथा मानक विचलन 2.005 प्राप्त हुआ हैं। इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
7. अध्यापकों की व्यवसायिक दक्षता :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी अध्यापकों के सीखने की प्रवृति के मध्यमान 32.28 तथा मानक विचलन 1.580 प्राप्त हुआ है।
8. अध्यापको की भाषा शैली व तकनीकी ज्ञान :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व अध्यापकों का सामाजिक कौशल का मध्यमान 43.21 तथा मानक विचलन .893 प्राप्त हुआ है।

गैर–आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता का अध्ययन

तालिका 5: गैर–आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता से सम्बन्धित दन्तो के क्षैत्रवार मध्यमान एवं मानक विचलन

क्र सं	क्षैत्र	N	मध्यमान	मानक विचलन
1.	अध्यापको को विषय का ज्ञान	400	26.54	1.391
2.	अध्यापको का अध्यापन अनुभव	400	28.26	2.112
3.	अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध	400	36.92	1.567
4.	अध्यापकों का शिक्षण विधियों का ज्ञान	400	38.81	2.552
5.	अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल	400	31.06	1.589
6.	अध्यापको का आत्म–विश्वास	400	31.30	2.405
7.	अध्यापको की व्यवसायिक दक्षता	400	31.86	1.611
8.	अध्यापको की भाषा शैली व तकनीकी ज्ञान	400	43.06	1.010
योग			267.80	5.951

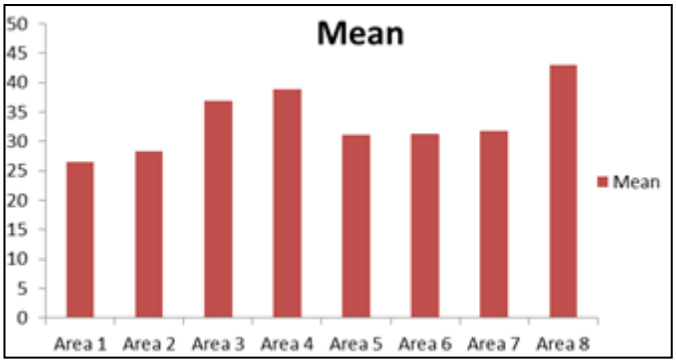

आकृति 3: गैर–आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता से सम्बन्धित दन्तो के क्षैत्रवार मध्यमान

विश्लेषण : सारणी व आरेख संख्या से यह ज्ञात होता है राजकीय व निजी विद्यालयों के गैर–आदिवासी शिक्षकों की अध्यापन दक्षता के मध्यमान 267.80 व मानक विचलन 5.951 प्राप्त हुएं है।

क्षैत्रानुसार विश्लेषण

1. अध्यापको को विषय का ज्ञान :– इसके अन्तर्गत उदयपुर क्षैत्र के गैर–आदिवासी अध्यापकों का मध्यमान 26.54 तथा मानक विचलन 1.391 प्राप्त हुआ है।
2. अध्यापको का अध्यापन अनुभव :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत गैर–आदिवासी अध्यापकों का मध्यमान 28.26 तथा मानक विचलन 2.112 प्राप्त हुआ है।
3. अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत गैर–आदिवासी अध्यापको का मध्यमान 36.92 तथा मानक विचलन 1.567 प्राप्त हुआ है।
4. अध्यापको का शिक्षण विधियों का ज्ञान :– इस क्षैत्र के अनतर्गत गैर–आदिवासी अध्यापको की सोच प्रवृति के मध्यमान 38.81 तथा मानक विचलन 2.552 प्राप्त हुआ है।
5. अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल :– इस क्षेत्र के अन्तर्गत गैर आदिवासी अध्यापको की कार्य शैली के मध्यमान 31.06 तथा मानक विचलन 1.589 प्राप्त हुआ है।
6. अध्यापकों का आत्म–विश्वास :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत

गैर–आदिवासी अध्यापको की नियमितता के मध्यमान 31.30 तथा मानक विचलन 2.405 प्राप्त हुआ हैं

7. अध्यापकों की व्यवसायिक दक्षता :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत गैर–आदिवासी अध्यापकों के सीखने की प्रवृति के मध्यमान 31.86 तथा मानक विचलन 1.611 प्राप्त हुआ है।
8. अध्यापको की भाषा शैली व तकनीकी ज्ञान :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत गैर–आदिवासी अध्यापकों का सामाजिक कौषल का मध्यमान 43.06 तथा मानक विचलन 1.010 प्राप्त हुआ है।

आदिवासी तथा गैर–आदिवासी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता में तुलना

तालिका 6: आदिवासी तथा गैर–आदिवासी शिक्षको के अध्यापन दक्षता तुलना

कम संख्या	क्षैत्र	आदिवासी शिक्षक		गैर आदिवासी शिक्षक		टी मुल्य	सार्थक/असार्थक
		मध्यमान	माध्य विचलन	मध्य मान	माध्य विचलन		
1.	अध्यापको को विषय का ज्ञान	26.74	1.395	26.54	1.391	.963	सार्थक
2.	अध्यापको का अध्यापन अनुभव	28.13	1.630	28.26	2.112	.435	सार्थक
3.	अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध	37.43	1.748	36.92	1.567	2.053	सार्थक
4.	अध्यापको को शिक्षण विधियों का ज्ञान	40.81	2.780	38.81	2.552	5.028	सार्थक
5.	अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल	33.24	.964	31.06	1.589	11.174	सार्थक
6.	अध्यापको का आत्म विष्वास	31.81	2.005	31.30	2.405	1.548	सार्थक
7.	अध्यापको की व्यवसायिक दक्षता	32.28	1.580	31.86	1.611	1.775	सार्थक
8.	अध्यापको की भाषा शैली व तकनीकी ज्ञान	43.21	.893	43.06	1.010	1.095	सार्थक
योग		273.67	5.330	267.80	5.951	6.967	

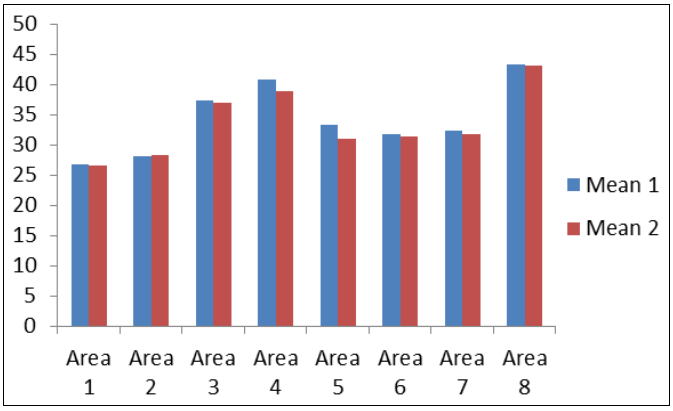

आकृति 4: आदिवासी तथा गैर–आदिवासी शिक्षको के अध्यापन दक्षता तुलना

विश्लेषण : सारणी व आरेख संख्या से यह ज्ञात होता हे कि आदिवासी व गैर आदिवासी शिक्षको के अध्यापन दक्षता में तुलना के अन्तर्गत मध्यमान 273.67 व 267.80 तथा मानक विचलन 5.330 व 5.951 प्राप्त हुए है जिनके आधार पर इनकी तुलना में टी मूल्य 6.967 प्राप्त हुआ हैं अतः इनके आधार पर यह निष्कर्ष निकलता हे कि आदिवासी तथा गैर आदिवासी अध्यापकों की अध्यापन दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

क्षैत्रानुसार विश्लेषण

1. अध्यापको को विषय का ज्ञान :– इसके अन्तर्गत उदयपुर क्षैत्र के आदिवासी तथा गैर–आदिवासी अध्यापको के रहन–सहन का मध्यमान 26.74–25.54 तथा मानक विचलन 1.395–1.391 प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
2. अध्यापको का अध्यापन अनुभव :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापकों का मध्यमान 28.13–28.26 तथा मानक विचलन 1.603–2.112 प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
3. अध्यापको का अन्य के साथ आपसी सम्बन्ध :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापको का मध्यमान 37.43–36.92 तथा मानक विचलन 1.768–1.567 प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
4. अध्यापको का शिक्षण विधियों का ज्ञान :– इस क्षैत्र के अनतर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापको की सोच प्रवृति के मध्यमान 40.81–38.81 तथा मानक विचलन 2.780–2.557 प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं
5. अध्यापको का विद्यार्थियों व अन्य के साथ सम्प्रेषण कौशल :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर आदिवासी अध्यापको की कार्य शैली के मध्यमान कृमशः 33.24–31.06 तथा मानक विचलन .964–1.589 प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
6. अध्यापकों का आत्म–विश्वास :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापको की नियमितता के मध्यमान 31.81–31.30 तथा मानक विचलन 2.405–1.548 प्राप्त हुआ हैं इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
7. अध्यापकों की व्यवसायिक दक्षता :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी तथा गैर–आदिवासी अध्यापकों के सीखने की प्रवृति के मध्यमान 32.28–31.86 तथा मानक विचलन 1.580–1.611 प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
8. अध्यापको की भाषा शैली व तकनीकी ज्ञान :– इस क्षैत्र के अन्तर्गत आदिवासी व गैर–आदिवासी अध्यापकों का सामाजिक कौशल का मध्यमान 43.21–43.06 तथा मानक विचलन . 893–1.010 प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।

निष्कर्ष

आदिवासी तथा गैर–आदिवासी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता के अध्ययन का निष्कर्ष

1. आदिवासी तथा गैर–आदिवासी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता समग्र क्षैत्रों में उच्च पाई गई है।
2. आदिवासी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता समग्र क्षैत्रों में उच्च पाई गई है।
3. गैर–आदिवासी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता समग्र क्षैत्रों में उच्च पाई गई है।
4. आदिवासी तथा गैर–अदिवासी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता की तुलनात्मकता अध्ययन में गैर आदिवासी शिक्षकों में अध्यापन

क्षमता अधिक पाई गई है।परन्तु आदिवासी व गैर–आदिवासी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

अध्यापन दक्षता की दृष्टि से : अध्यापन दक्षता की दृष्टि से यह पता लगाया है कि आदिवासी व गैर–आदिवासी शिक्षकों के अध्यापन दक्षता में सार्थक अन्तर पाया गया है।– आदिवासी शिक्षकों में अध्यापन दक्षता का सतर निम्न से मध्यम क बीच पाया गया है अतः उनके इस स्तर को देखते हुए उनकी समस्याओं का पता लगाया गया तथा उन समस्याओं का समाधान कर उनकी अध्यापन दक्षता के स्तर को भी उच्च बनाने में यह शोध बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

शोध हेतु सुझाव

1. सरकारी व निजी विद्यालयों के शिक्षकों के जीवन कौशल, अध्यापन दक्षता तथा उपलबिधयों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
2. किए गये शोध कार्य के प्रत्येक चर को आधार बनाकर राष्ट्र स्तरीय शोध कार्य सम्पन्न किया जा सकता है।
3. षिक्षा के समग्र क्षैत्रों में स्थापित सभी शिक्षकों के जीवन कौशल, अध्यापन दक्षता तथा शैक्षणिक उपलब्धि के साथ सम्बन्धों पर प्रभावी व तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
4. सभी प्रकार के शिक्षको के ज्ञान, अनुभव एवं क्षमता आदि के मध्य सह–सम्बन्धात्मक अध्यन किया जा सकता है।
5. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों अथवा प्रधानाचार्यो के जीवन कौशल, अध्यापन दक्षता, ज्ञान, अनुभव, शैक्षणिक उपलब्धि विद्यार्थियों से सम्बन्ध विषय पर अध्ययन कि जा सकता है।
6. प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यायदर्श का हिस्सा छोटा लिया गया है। इस विषय को एक बड़ी संख्या वाले न्यायदर्श को जा सकता है।
7. विभिन्न स्तरों पर भी आदिवासी व गैर–आदिवासीयों के जीवन कौशल, अध्यापन दक्षता के बारे में शौध किया जा सकता है।
8. प्रस्तुत शोध का अध्ययन एक सीमित क्षैत्र में ही कि गया हैं अतः यह शोध एक विस्तृत क्षैत्र में भी किया जा सकता है।
9. समाज के विविध स्तरों पर इस विषय को लेकर अनुसंधान किया जा सकता है।

सन्दर्भ

1. सिंधी एन. के (1975) : ''राजस्थान के विद्यालयों के अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियों के विद्यार्थियों के शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन'' लघुशोध प्रबंध, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर।
2. पटेल टी. (1984) ''जनजाति महिलाओं में शिक्षा का विकास'' समाजशास्त्र विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय।
3. चौहान, यशपाल सिहं (1992) ''अनुसूचित जनजाति में निरक्षरता एवं शिक्षा के प्रति उदासीनता का कारणः एक सर्वेक्षण,'' लघुशोध प्रबंध, मो. ला. सु. वि. वि. उदयपुर।
4. आदिम जाति शोध संस्थान, उदयपुर (2001) ''राजस्थान के जनजाति उपयोजना क्षेत्र में जनजाति बालिका शिक्षा की वर्तमान स्थिति और उसमें सुधार का अध्ययन''।
5. व्यास, डॉ. आशुतोष (2010) ''राजस्थान में अनुसूचित जनजाति की महिलाओं में शिक्षा की स्थिति''
6. मीणा, मनीराम (2014) : ''राजस्थान के जनजातिय समाज में ऋणग्रस्तता के कारण''।
7. सैलन, ईलीन मैरी, (1994) : अध्यापक की कार्य वचनबद्धता, आजिविका चुनाव वचन बद्धता तथा योजित
8. अवधारणा की शुरूआत पर अनुभूत कार्य स्थल परिस्थितियों का प्रभाव, शिक्षा विभाग, काले म्बिया यूनिवसिटी
9. टीचर कालॅजे, डिजट्रेशन एब्सट्रक्ट्स इन्टरनेशनल, वोल्यूम –45 नम्बर 8, 1994 पृष्ठ 2989–ए।
10. क्लार्क ए., ऑस्वाल्ड ए. वार पी., (1996), इज जॉब सेटिसफैक्शन यू– शैपड् इन एज जरनल ऑफ ऑक्यूपेशनल एण्ड ऑर्गेनाईजेशनल साइक्लोजी, 69, 57–81
11. पेरी एम., बैकर डी. एण्ड व्हीटनर एस., (1997), जॉब सेटिसफैक्शन अमॉन्ग अमेरिकास् टीचर्सः
12. इफक्टस् ऑफ वर्कप्लेस कन्डीशनस्, बैक ग्राण्उड करैक्टरीस्टीक्स्, एण्ड टीचर कम्पेसेशन वाशिंगटन डी.सी.ः
13. नशेनल सैन्टर फॉर एज्यूकेशन सेटिसटीक्स्, यू एस. डीपार्टमेन्ट ऑफ एज्यूकेशन
14. सईद एम., (1997),जॉब सेटिसफैक्शन अमॉन्ग पाकिस्तानी सैकण्डरी एण्ड हायर सैकण्डरी स्कूल टीचर्स
15. इन कम्प्रीजन टू अदर इन्टरनेशनल कन्ट्रीज। बुलेटिन ऑफ एज्यूकेशन एण्ड रिसर्च 37–58
16. Indian Journals of Education Research-Lacknow.
17. Indian Education Review – N.C.E.R.T., New Delhi.
18. Indian Education Abstract; N.C.E.R.T., New Delhi.
19. Journal of Higher Education – U.G.C. Delhi.
20. Journal of Indian Education, N.C.E.R.T., New Delhi
21. Lokmanya Shiskshak, Lokmanya Tilak Teachers College, Dabok
22. Bhartiya Adhunik Shiksha- N.C.E.R.T., New Delhi
23. Perspective in Education - New Delhi
24. Nai Shiksha – Jaipur
25. www.encyclopedia.com
26. www.uni.com
27. www.ncert.in
28. www.ugc.in
29. www.research.com
30. www.educationmatch.com
31. www.edu.du.ac.in
32. www.phdeducation.com
33. www.dessertationindia.com